

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार 7 सितंबर 2026

183 कॉलोनियों के विद्युतीकरण के लिए जारी हुए वर्क ऑर्डर का कार्य अधिकांश में पूरा, शेष में अंतिम चरण में पहुंचा कार्य

» **नए ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनें बिछने से गरीब परिवारों को बड़ी राहत, लकड़ी के डंडों के सहारे केबल खींचने और करंट के खतरे से मिलेगी निजात**

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

जिले की बीपीएल कॉलोनियों में रहने वाले सभी गरीब परिवारों के घर अब जल्द ही बिजली की रोशनी से जगमगा होंगे। बिजली निगम की ओर से जिला महेन्द्रगढ़ की 285

जिले की 285 बीपीएल कॉलोनियों में बिछ रहा ‘उजियारा’, घरों के नजदीक पहुंच रही बिजली

बीपीएल कॉलोनियों में चरणबद्ध तरीके से विद्युतीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। निगम के आदेशों के तहत चरखी दादरी की फर्म द्वारा इन कॉलोनियों में नए ट्रांसफार्मर लगाने के साथ बिजली की लाइनें बिछाने का काम किया जा रहा है। अधिकांश कॉलोनियों में कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कॉलोनियों में भी काम अंतिम चरण की ओर है।

महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के कार्यकाल में गांवों में गरीब परिवारों के लिए ये कॉलोनियां बसाई गई थीं। योजना के तहत पात्र गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले बीपीएल परिवारों को 100-100 गज



नारनौल। कॉलोनी में बिजली निगम द्वारा लगाया गया ट्रांसफार्मर।

फोटो: हरिभूमि

के प्लाट मुफ्त दिए गए थे। हालांकि स्थानों पर बिजली की समुचित सुविधा नहीं पहुंच सकी। इसके चलते लोगों को दूर-

» **यह कहते हैं अधिकारी**



दराज के कुओं अथवा अन्य स्थानों से बिजली की व्यवस्था करनी पड़ती थी।

खबर संक्षेप

आईटीआई में दाखिला लेने का अंतिम मौका आज

महेन्द्रगढ़। हरियाणा राज्य में आईटीआई की चल रही दाखिला प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा का ऑन स्पोर्ट एडमिशन का शेड्यूल जारी है। अब हरियाणा राज्य में स्थित सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण ने दाखिला लेने के लिए इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पोर्टल एक बार फिर खोल दिया है। सत्र 2026-2027 में दाखिला लेने के लिए आवेदन सात सितंबर अंतिम तिथि है। इच्छुक अभ्यार्थी एडमिशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। संस्थानों में रिक्त सीटों के प्रति सात सितंबर को संस्थान स्तर पर किया जाएगा और नए आवेदन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला पोर्टल पर होंगे।

शराब ठेके का ताला तोड़ चोरी करने वाला काबू

कनीना। थाना सदर क्षेत्र के गांव बेवल में शराब ठेके का ताला तोड़कर शराब चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपित संजय निवासी बेवल को गिरफ्तार किया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपित की निशानदेही पर चोरी की छह बोतल शराब, एक अढ़ा तथा दो बीयर केन बरामद किए गए। डीएसपी डॉ. कविता ने बताया कि गांव बेवल में एक सितंबर की रात शराब ठेके पर चोरी की वारदात हुई थी। इस संबंध में ठेके के सल्लामैन विनोद कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में नसीबपुर जेल भेज दिया गया।

महेन्द्रगढ़ से जयपुर-बहरोड़ बस चलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ » मंडी अटेली

महेन्द्रगढ़ सब डिपो से बहरोड़-जयपुर तथा रेवाड़ी-गुडगांव के लिए नियमित रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग उठी है। सहिमा पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार यादव ने हरियाणा रोडवेज विभाग के उच्च अधिकारियों से इन रूटों पर बसों का संचालन शुरू करने की मांग की है।

चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार यादव ने कहा कि महेन्द्रगढ़ से वाया दौंगड़ा चौक और अटेली होते हुए बहरोड़, जयपुर तथा रेवाड़ी-गुडगांव तक बसों का

संचालन किया जाना चाहिए। इन रूटों पर सीधी बस सेवा उपलब्ध होने से महेन्द्रगढ़, अटेली और आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। बहरोड़, जयपुर, रेवाड़ी और गुडगांव में शिक्षा, रोजगार, व्यापार और अन्य कार्यों के लिए क्षेत्र के लोग नियमित रूप से आवागमन करते हैं। सीधी बस सेवा नहीं होने के कारण यात्रियों को दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे उनका समय और पैसा दोनों अधिक खर्च होते हैं। उन्होंने कहा कि रोडवेज बस सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, मजदूरों और आम यात्रियों को काफी लाभ मिलेगा।

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर परिषद और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल रविवार को 32वें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रही। हड़ताल की अध्यक्षता इकाई प्रधान भूपेंद्र सारवान ने की, जबकि फायर विभाग से इकाई प्रधान गुरदयाल सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन का सफल संचालन प्रेस सचिव महावीर प्रसाद ने



किया। प्रधान भूपेंद्र सारवान ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर

नारनौल। नगर परिषद में धरना देते सफाई कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

कर्मचारियों को पक्का करने, कौशल रोजगार के कर्मियों को पालिका रोल पर लेने और डोर-टू-डोर कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन देने की मांगें पूरी नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। संघ ने फैसला लिया है कि इस हड़ताल को 3 दिन और आगे बढ़ाते हुए अब 9 सितंबर तक जारी रखा जाएगा। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि हरियाणा सरकार ने 13 मई 2026 को हुए समझौते को तुरंत लागू नहीं किया, तो इस आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सफ़ाई नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही पुलिस

चिट्ठा बरामदगी मामले में सफ़ायर महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार का मानना है कि नशा समाज की प्रमुख बुराइयों में से एक है और इसके दुष्प्रभावों से समाज को बचाने के लिए नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ इसकी सफ़ाई चैन को जड़ से समाप्त करना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से पुलिस की ओर से नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई करते हुए नशे की सफ़ाई से जुड़े नेटवर्क की कड़ियों को खंगाला जा रहा है। इसी क्रम में सीआईए ने 12 ग्राम चिट्ठा/हेरोइन बरामदगी के मामले में आगे की जांच करते हुए नशीला पदार्थ सफ़ाई करने वाली महिला आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसकी पहचान जसविंद कौर निवासी हुडा सेक्टर



नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

फोटो: हरिभूमि

नारनौल के रूप में हुई है, जिसे पुलिस टीम ने पांच सितंबर को गिरफ्तार किया।

डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने बताया कि यह मामला 15 अप्रैल का है। उस समय सीआईए टीम ने थाना निजामपुर क्षेत्र में

कार्रवाई करते हुए दीपक निवासी निराज अलीपुर, थाना निजामपुर तथा मोहित निवासी बाछौद थाना सदर नारनौल को काबू किया था। दोनों आरोपितों के कब्जे से 12 ग्राम चिट्ठा/हेरोइन बरामद हुआ था। थाना निजामपुर

पुलिस की आमजन से अपील

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा तथा सफ़ाई नेटवर्क से जुड़े आरोपितों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की आमजन से अपील है कि यदि किसी व्यक्ति को अपने आसपास नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त, बिक्री अथवा तस्करी के संबंध में कोई जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल-112 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

में मामला दर्ज किया गया था। आरोपितों से पूछताछ एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर नशीले पदार्थ की सफ़ाई के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच को आगे बढ़ाया।

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

डायल-112 टीम ने सूचना प्राप्त होते ही त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए नीरपुर फ्लाईओवर के नीचे आग जलाकर वायर को जलाने के मामले में एक युवक को मौके पर काबू कर आगामी कार्रवाई के लिए सिटी थाना के हवाले किया है।

सुबह करीब 07:10 बजे डायल-112 कंट्रोल रूम को सूचना प्राप्त हुई कि नीरपुर फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति आग जलाकर प्लास्टिक/वायर जलाने का कार्य कर रहा है। सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 की टीम ने बिना किसी विलंब के मौके के लिए रवाना होकर



नारनौल। गिरफ्तार किया गया आरोपित।

करीब आठ मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचकर कार्रवाई की। मौके पर पुलिस टीम ने एक युवक को आग जलाकर वायर को जलाते हुए पाया। उसके पास छोटे मालवाहक वाहन भी मौजूद था तथा

वाहन में जले हुए वायर पाए गए। प्रारंभिक जांच में वायर चोरी से संबंधित होने की आशंका के चलते पुलिस टीम ने युवक को मौके पर ही काबू कर लिया तथा आगामी जांच एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए सिटी थाना के हवाले कर दिया। काबू किए गए युवक की पहचान पवन कुमार निवासी सापला की ढाणी, सीकर (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से अब आरोपित से पूछताछ कर बरामद वायर के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में जानना आने वाले तथ्यों के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

11 निजामपुर रेलवे स्टेशन पर टनकपुर दौराई ...



12 टैक्स देने के बावजूद सरकारी सहायता ...



23 जनवरी 2025 तक 76 कॉलोनियां थीं विद्युतीकृत

उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिले में बनी 285 बीपीएल कॉलोनियों में से 23 जनवरी 2025 तक 76 कॉलोनियों में ही विद्युतीकरण हुआ था। वहीं 26 कॉलोनियों में डी-मार्केशन का कार्य नहीं हुआ था। इसके बाद 183 कॉलोनियों में विद्युतीकरण के लिए वर्क ऑर्डर जारी किए गए। अब शेष बची कॉलोनियों में बिजली पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। बिजली निगम सेंट्रल कार्यालय की ओर से फरवरी 2026 में चरखी दादरी की दिलबान सिंह मान की फर्म को विद्युतीकरण का कार्य आवंटित किया गया था। इसके बाद से विभिन्न कॉलोनियों में बिजली के नए ढांचे को तैयार करने का काम चल रहा है। कॉलोनियों के नजदीक ही ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनें स्थापित की जा रही हैं, ताकि लोगों को उनके घरों के आसपास ही बिजली आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध हो सके।

डंडों के सहारे केबल खींचने की मजबूरी से राहत

विद्युतीकरण होने से बीपीएल परिवारों को सबसे बड़ी राहत बिजली कनेक्शन और आपूर्ति के लिए अपनाए जाने वाले असुरक्षित तरीकों से मिलेगी। पहले कई स्थानों पर लोग लकड़ी के डंडे खड़े कर उनके सहारे बिजली की केबल अपने घरों तक ले जाते थे। ऐसे अस्थायी हस्तजाम के दौरान डंडे गिरने अथवा तार नीचे आने से करंट लगने का खतरा बना रहता था। इसके अलावा कई परिवारों को दूर स्थित कुओं आदि से बिजली की व्यवस्था करनी पड़ती थी। अब कॉलोनियों के नजदीक ही ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनें लगाए जाने से लोगों को इस परेशानी से काफी हद तक निजात मिलने की उम्मीद है। निगम के इस कदम से न केवल बिजली आपूर्ति का ढांचा मजबूत होगा, बल्कि गरीब परिवारों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से बिजली की सुविधा भी मिल सकेगी।



मंडी अटेली। पौधरोपण करते ग्रामीण।

फोटो: हरिभूमि

गूगा नवमी पर मंडी में रोपी गई 101 पौध

मंडी अटेली। गूगा नवमी के मौके पर अटेली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पौध रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान गनियार स्कूल, बजाड़ स्कूल, बजाड़ स्वास्थ्य केंद्र, बजाड़ हनुमान मंदिर, चंदपुरा स्कूल, गूगा मंदिर सुजापुर और चंदपुरा में सेकड़ों पौध लगाई गई। इस विशेष अभियान के तहत कुल 101 फलदार और औषधीय पौधे रोपे गए। पेड़-पौधे धरती का गहना हैं तथा वृक्ष ही जीवन हैं, का संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण के इस नेक कार्य में स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई। इस मौके पर तेजप्रकाश, विकास, सुरेंद्र किरोड़ी, सत्यवान, हर्ष, सुयश, विक्की, हरीश, मनोज कलावाड़ी, रूपराम सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में करंट लगाने से सेवानिवृत्त सैनिक की मौत

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव मोहलड़ा में रविवार दोपहर बाद खेत में सिंचाई करते समय 67 वर्षीय सेवानिवृत्त सैनिक सतबीर की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहलड़ा निवासी सतबीर रविवार दोपहर बाद अपने खेत में बाजरे की फसल में सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर अटेली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नारनौल स्थित सिविल अस्पताल भेज दिया।

32वां दिन: मांगों को लेकर अड़े पालिका कर्मचारी, नौ तक बड़ी हड़ताल

किया। प्रधान भूपेंद्र सारवान ने कहा कि हिटलरशाही और हठधर्मी रवैया अपना रही है। सरकार कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर उन्होंने साफ किया कि जब तक कच्चे

डायल-112 की तत्परता से वायर जलाता युवक काबू, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

डायल-112 टीम ने सूचना प्राप्त होते ही त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए नीरपुर फ्लाईओवर के नीचे आग जलाकर वायर को जलाने के मामले में एक युवक को मौके पर काबू कर आगामी कार्रवाई के लिए सिटी थाना के हवाले किया है। सुबह करीब 07:10 बजे डायल-112 कंट्रोल रूम को सूचना प्राप्त हुई कि नीरपुर फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति आग जलाकर प्लास्टिक/वायर जलाने का कार्य कर रहा है। सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 की टीम ने बिना किसी विलंब के मौके के लिए रवाना होकर



कहानी

अशोक जैन

अनबूझा प्रश्न 'स्व' और 'सवि'

सवि और स्व - दो नाम मेरे लिए परिचित हैं। इनकी कहानी को कितनी ही बार कागजों पर उतारना चाहा, हर बार कुछ पृष्ठ काले करके अधूरी ही छोड़ दी। 'स्व' के आंसुओं में भीगी और 'सवि' की मधुर खिलखिलाहट में डूबी इस व्यथा कथा को आज लिखने की कोशिश कर रहा हूँ।

मेरे सामने अभी भी दोनों के पत्र खुले पड़े हैं। हवा के एक झौंके ने उन्हें सर से उड़ा दिया। 'सवि' का पत्र छिटक कर दूर जा गया। 'स्व' का पत्र अभी भी वहीं पड़ा है --मुस्करा दिया मैं - स्व और सवि और विधि का व्यंया। बहुत चाहा दोनों को मिलाना- लेकिन दोनों चली गई स्नेह की छाया और आंखों में शिकायत लिए। बचपन में मैंने फूल के दो पौधे लगाए थे। दोनों पास ही खड़ी थी। मैंने सरल भाव से पौधों को इंगित करते हुए कहा था- यह स्व और वह सवि। हंस दी थी दोनों। वसंत आया, फूल के दोनों पौधे बढ़ते गए और फिर पतझड़ के क्रूर शिकंजे ने अपना जौहर दिखा दिया। सवि के पौधे पर कलियां खिलीं पर स्व के पौधे पर कभी बहार न आई और न ही फूल खिले। मुझे चोट पहुंचती। मैं विचलित हो उठता और खाली समय में दोनों पौधों को सींचता, सहलाता पर स्व के उदास पौधे को जिला नहीं सका। दिन गुजरते गए - दोनों के स्वभाव में काफी अंतर था। एक शांत और गंभीर, दूसरी चंचल पर मुझे दोनों प्रिय थीं।

स्व' मेरे खामोश जीवन का सहारा थी, मेरी गंभीर प्रवृत्ति और मेरे लेखन की प्रेरणा। 'सवि' मेरे जीवन का लावण्य, मेरी मुस्कराहट। दोनों को मुझसे प्रेम था पर उनके स्नेह में भी अंतर था। 'स्व' के स्नेह में शीतलता और 'सवि' तो थी ही उष्णता। मैं अनुजाने में ही शायद 'स्व' की ओर अधिक ध्यान दिया करता। मुझे मालूम था कि उसे सहारा चाहिए, किसी के स्नेह का आवरण चाहिए। नहीं तो वह मिट जाएगी। और फिर वह इस बात से भी अनभिज्ञ नहीं थी कि मैं उसका भाई नहीं हूँ। यही कारण था कि शायद अनजाने में ही मौसी की उस अनाथ लड़की के प्रति मुझे अपार स्नेह हो गया था। 'सवि' अपनी मृगनयनी आंखों में आंसू भर कर कहती- 'भैया। तुम स्व को मुझसे अधिक चाहते हो।' मैं डांट देता। और सवि रोती हुई मां के पास चली जाती। मां के डांटने से पहले ही हम दोनों रफूचक्कर हो जाते थे। दिन- माह - वर्ष आए और चले गए। 'स्व' को कला से प्रेम था और 'सवि' को संगीत से। 'सवि' ने संगीत में एम ए किया और 'स्व' ने आर्ट में पंचवर्षीय कोर्स। मैंने एमबीबीएस किया और डाक्टर बन गया। 'स्व' की प्रेरणा का ही परिणाम था यह। हमेशा कहा करती थी 'आप डाक्टर बनो। कितनी प्रसन्नता होगी मुझे जिस दिन सैकड़ों पीड़ितों के प्राण बचा सकोगे।' मैं तब गर्व से कहूंगी - ये मेरे भैया हैं।' मैं हंस देता। स्नेह से उसके बालों



सवि ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - ‘भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! स्व जो है’। स्व और सवि के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। स्व के बिना सवि की हंसी हंसी नहीं लगती और सवि के बिना स्व की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

को थपकी देकर कहता- जा सो जा। या रातभर भैया के सिरहाने बैठी रहेंगी। 'ऐसा मेरा सौभाग्य कहां!' 'स्व' मुस्कुराने का असफल प्रयास करती। उस मुसकुराहट में विषाद की रेखा होती। इसके कारण से मैं अनभिज्ञ नहीं था। बचपन में ही 'स्व' के माता पिता की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और मां अपनी बहन की उस बच्ची को अपने पास ले आई थी। परन्तु 'व' जैसे जैसे बड़ी होती गई, मां उससे खिंचती चली गई। 'सवि' का बचपना करना सभी को अखरता। मासूम 'स्व' पर उसका गुस्सा उतरता। मैं कुछ भी करने का साहस नहीं जुटा पाता। मां के व्यंग बाण और सवि

की खिलखिलाहट उसे वेदना पहुंचाते। जब कभी भी अत्यंत दुखी हो जाती तो मेरे कमरे में आकर रोने लगती। मैं उसे सांत्वना देता। 'मेरी नन्हीं दीदी, रोती क्यों है?' वह रोती रहती। फिर सिसकियां धीरे-धीरे कम होने लगती। 'स्व' मां के साथ पर का सारा काम काज करवाती पर इसका श्रेय उसे कभी नहीं मिलता। एक दिन उसे बुखार था। काम नहीं कर पाई तो मां ने आंगन में खड़े हो कर कहा था- 'तो क्या मेरी फूल सी' 'सवि' काम करें।' 'मां' मैं चौख उठा था। 'यह कैसा अन्याय है। कुछ तो सोचो। वो भी तुम्हारी बेटी की तरह है।'

‘बेटी तो नहीं है न!’ मां ने और ऊंचे स्वर में कहा था। कुछ वर्ष और-- 'स्व' ने 21 वां और 'सवि' ने 20वां वर्ष पूरा किया। मां को 'सवि' के विवाह की चिंता हुई तब धीरे से मैंने कहा था 'मां। स्व बड़ी है। पहले उसकी शादी तो होने दो।' मां नाराज हो गई थी र सारा दिन 'स्व'-- 'स्व' ! जाने क्या जादू कर दिया है इस लड़की ने? 'पर जब मां शांत हुई उन्होंने मुझे बुलाकर कहा-'शरद। श्रीमती केशव का पत्र आया है। लिखा है कि उसका भाई रमन इंजीनियरिंग करके लौटा है। अपनी 'सवि' को देखने आ रहे हैंरमैंने सब सुना समझा। 'ह रहकर' स्व' की आंखों में तैरता एक अनबूझा प्रश्नचिह्न मुझे व्यथित करने लगता- भैया मेरा अपराध क्या है!! कुछ दिन बाद मां के कहने पर मैं श्रीमती केशव और रमन को लेने स्टेशन गया था। लौटने पर जब काल बैल के बजने पर 'स्व' को द्वार पर खड़े पाया तो चौंक गया। मां की सख्त हिदायत के बावजूद 'स्व' यहां कैसे! फिर ख्याल आया कि हम समय से पहले आ गये थे।

मैं रमन की ओर मुड़ा। सुन्दर चेहरे पर प्रशंसनीय भाव थे। 'स्व' को जब वस्तुस्थिति का भान हुआ तो संकोच से आंखें नीची कर के भाग गई। 'मिसेज केशव ने पूछा 'यही।' 'जी हां। यही मेरी बहन है --'बहुत बड़े सत्य को झुठला दिया था मैंने। तभी मां का तमतमाया चेहरा मेरे जहन में उभरा। मां को जब सत्य का पता चला तो मेरे सामने ही हाथ से कांच की प्लेट जमीन पर दे मारी। कांच का एक टुकड़ा छिटक कर मेरे माथे पर आ लगा। घाव तो समय रहते भर गया पर निशान आज भी मौजूद है। 'सवि' को देखकर भी रमन ने 'स्व' को पसंद किया। मां 'स्व' और रमन की शादी में सम्मिलित नहीं हुई। 'स्व' की विदाई के समय रमन के कंधे पर हाथ रखकर मैंने कहा था -'रमन बाबू! 'स्व' मेरी बहन से बढ़कर है, उसे ...'

रमन मुस्करा दिया- 'आपके स्नेह की थाह उसी दिन देख ली थी जब द्वार पर खड़ी 'स्व' को आपने अपनी बहन कहा था।' कुछ माह पश्चात 'सवि' भी चली गई। मां बहुत चाहने पर भी मुझसे नाराज नहीं रह पाई। आज सोचता हूं मैंने वही किया जो मेरा कर्तव्य था। 'सवि' ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - 'भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! 'स्व' जो है।'

'स्व' और 'सवि' के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। 'स्व' के बिना 'सवि' की हंसी हंसी नहीं लगती और 'सवि' के बिना 'स्व' की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

कवि कॉर्नर

गजल आशा खत्री लता



नकली जिनकी मुस्कानें हैं

नकली जिनकी मुस्कानें हैं उनके वर्क उतर जाने हैं।

दीप दिखाये जो सूरज को उनके सच भी खुल जाने हैं।

गीत गजल औ कथा कहानी सभी पीर की संतानें हैं।

पीड़ा व्यथा दर्द जखम सब आँसू में ही ढल जाने हैं।

जिनसे गीत उपजता मगरुह वो दिल कितने वीराने हैं।

रोज नयी पीड़ा है दिल में रोज नये ही अफसाने हैं।

कविता जय प्रकाश पंडेय



सुख का साम्राज्य

कभी चलती है मस्त मलय गुनगुनाती मुस्कराती उपवन के एक कोने से दूसरे कोने तक झूमती है डालें खिलते है फूल चहचहाते पक्षी उछलते कुदते जीव जंतु सुख का साम्राज्य कभी रुक जाती वही हवा बेरुखी बदहाल सबका बुरा हाल अस्त व्यस्त सब क्या ही करे अब बेहाल परेशान गुरुझो फूल फांफरे पड़े धूल सब रुक गया सा कुछ लुट गया सा सब कुछ तो वही है पवन ही न बही है चले दूंदते है पवन में उसको उसको पवन में सुकुण वह पहले भी न था अब भी गायब है सब अहसासों में ॥

सोशल मीडिया में गालियों का सुपर मार्केट



व्यंग्य

रेखा शाह आरबी

सच बता रहे हैं चतुरी जी गाली अक्षर का 'ग' भी नहीं जानते थे। वह उतने ही भोले-भाले थे जितना किसी कविता में एक नवजात शिशु रहता है। जो अल्ले-ले-ले की भाषा के अलावा कुछ समझता ही नहीं है। वह तो किसी वेद, पुराण, भाषा विज्ञान को नहीं समझता है। फिर गालियों की तो बात ही क्या करनी है। चतुरी जी तो ऐसे थे कि यदि कोई कभी-कभार उनके जानने वाला गाली दे दे, तो वह चार लोगों से उसका अर्थ भावार्थ पूछते हुए चलते थे। तब जाकर उनकी समझ में आता था कि आखिर उस व्यक्ति ने उन्हें कहा क्या है। यह दुनिया तो लोमड़ी के जैसे है। पर चतुरी जी मासूम पांडा जैसे जीव थे। ऐसे जिसे उसी का मन मासूमियत से मोह ले।

उनकी मासूमियत तो म्युजियम में रखने लायक चीज थी अर्थात बहुत कोमती - दुर्लभ थी। पर हाय रे यह दुनिया और हाय रे दुनिया वाले, अनमोल चीजों की कवर करना जानते ही नहीं है। रोज उनकी मासूमियत को नीलाम करना चाहते हैं। उनकी भी अपने के जैसे रंग में ढालने का इंतजाम कर लिए। अब बताते हैं कि कैसे करना चाहते हैं। चतुरी जी ने दुनिया से जो सीखा, वह तो खैर सीखा ही, लेकिन इतना नहीं सीखा, जितना सोशल मीडिया ने उनको सिखा दिया। और उतना सीखना भी नहीं चाहिए था। एक दिन सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट बना लिया। मजे के लिए बनाया

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुरसत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

गया अकाउंट एक तरह से उनके कोचिंग क्लास में ही बदल गया। इसके सिलेबस एकदम फिक्स थे। टीचर हद दर्जे के काइयां थे। पर पूरे अव्वल दर्जे के अपने विषय के ज्ञाता थे। मजाल कि कोई उनसे जीत जाये। अब चतुरी जी कोई भगवान थोड़े ना थे। वह भी इंसान थे, उनके अंदर भी जज्बात और भावनाएं थी, तो उनके ऊपर भी प्रभाव पड़ना लाजमी था। वह कहा जाता है 'जेसी संगति वैसे विचार' हो जाते हैं, सही ही कहा गया है।

अब तो आप सब जानते ही हैं। सोशल मीडिया में रोज किसी न किसी के बीच में

निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुरसत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

कुछ लोग टैंपरेरी होते हैं। जब खाली समय रहता तो देखने के लिए चले आते हैं और कुछ दर्शक भी होते तो चतुरी जी भी दर्शक हैं। वह कहावत तो आपने सुनी ही होगी कि देखते देखते इंसान मूर्ख से होशियार बन जाता है। वैसे ही चतुरी जी इस कुक्कुर झौंवा के बीच में गालियां सुनते-सुनते गालियों के एक्सपर्ट बन चुके हैं। अपना सोशल मीडिया तो गालियों का सुपर मार्केट है।

आपकी किस किस्म की गाली चाहिए, बस आपकी डिमांड के अनुसार यहां पर सभी गालियां चलती हैं। एकदम नए-नए बांड की गालियां सोशल मीडिया पर ही सुजन पाती हैं। पुरानी से लेकर नई सभी गालियां यहां पर आपको थोक के भाव में मिलती हैं। चतुरी जी तो पक्के हो गए हैं। जिसकी भी गाली नहीं आती है, वह इस सुपर मार्केट में आकर अपने मनपसंद की गाली लेकर खरीदना भी नहीं है। वैसे ही मुफ्त में सीख सकते हैं। यही इस मार्केट की सबसे बड़ी खूबी है।

लघु कथा

कुशल प्रबंधन

सीमा और नेहा अपनी-अपनी बालकनी में खड़ी होकर बातें कर रही थीं। तभी सीमा की नजर गली से गुजरती गृहकार्य सहायिका गीता पर पड़ी। वह सीमा और नेहा के अतिरिक्त अड़ोस पड़ोस के कुछ ओर भी घरों में काम करती थी। सीमा ने उसकी पहनी हुई साड़ी की तरफ इशारा करते हुए नेहा से कहा 'यह साड़ी तुम्हारी है ना ?' हां, मैंने इसे पांच-सात बार पहन लिया था। वैसे अच्छी साड़ी है, इसके खूब चलेगो।' नेहा ने कहा। 'यह सबकी दी हुई साड़ियां तो पहन लेती है पर पता नहीं मेरी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती जबकि मैं इसे हमेशा नई साड़ी ही देती हूँ।' सीमा ने मायूसी भरे स्वर में कहा, 'मैंने कई बार टोका भी पर यह कहती है कि मेरी साड़ियां नई होती हैं इसलिए आने-जाने में पहनती है काम में नहीं, पर कभी तो मेरे सामने भी पहनकर आए।' नेहा थोड़ी देर किसी सोच में डूब गई, जैसे सोच रही हो कि कहे या नहीं। आखिर उसने कहना शुरू किया, 'इसका तो मुझे पता नहीं पर इससे पहले मैं जहां रहती थी वहां पाप ही के खाली प्लांट में एक मजदूर परिवार रहता था। मैं उन लोगों को एकदम नए कपड़े, नए बर्तन, कंबल आदि देती रहती थी लेकिन मैंने उनको अपने लिए सामान का कभी इस्तेमाल करते हुए नहीं देखा। मैंने ज्यादा गौर भी नहीं किया।'

'एक बार मैं रिकशा से कहीं जा रही थी, तब मैंने उस मजदूर महिला को एक दिन पहले मेरा दिया हुआ कंबल एक ठेले वाले को बेचते देखा। तब मुझे समझ में आया कि ये लोग नया सामान इस्तेमाल न करके बेच देते हैं। इसके बाद मैंने सोच लिया कि अब से मैं अपने द्वारा उपयोग में लाने के बाद ही सामान दिया करूंगी ताकि ये उसे बेचने के बजाय खुद इस्तेमाल करें। इसलिए मैं गीता को एकदम नई साड़ी नहीं देती।' सीमा ने भी सोच लिया था कि वह कल गीता से इस बारे में बात करेगी। अगले दिन जब गीता आई तो सीमा ने साफ-साफ शब्दों में पूछ लिया कि क्या वह उसकी दी हुई साड़ियां बाजार में बेच देती है?

गीता इस अप्रत्याशित प्रश्न से एकदम सकपका गई। 'क्या कह रही हो दीदी, मैं ऐसा क्यों करूंगी ? आप जानना चाहती हैं ना कि मैं आपकी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती। दरअसल बात यह है कि मेरी दो ननदें और एक छोटी बहन हैं। मुझे उन लोगों को भी उपहार स्वरूप साड़ियां देनी होती हैं इसलिए मैं खुद को मिलने वाली सभी नई साड़ियां रख लेती हूँ और वे जब भी मेरे पास मिलने आती हैं तो उन्हें भेंट स्वरूप वही साड़ियां दे देती हूँ।' मेरे पहनने के लिए तो मुझे पुरानी साड़ियां मिल ही जाती हैं। अब मैं नई साड़ी पहनूँ और फिर उनके लिए बाजार से खरीद कर लाऊँ तो मेरा बजट बिगड़ जाएगा ना।'

गीता के इस जवाब ने सीमा के सारे संशय धो डाले। सीमा ने गीता के कुशल गृह प्रबंधन के साथ रिस्तेदारी निमाने के तरीके की सराहना की। अब उसे गीता से कोई शिकायत नहीं थी।



बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द

चित्र है 'सृजन के शिखर'



समीक्षक

डा. मधुकान्त

डॉ. चंद्र त्रिखा के जीवन और व्यक्तित्व पर आधारित कृति 'सृजन के शिखर' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द-चित्र है जिसने साहित्य, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। माधव कौशिक और सुमेधा कटारिया द्वारा संपादित यह ग्रंथ डॉ. त्रिखा के प्रति विभिन्न लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और उनके करीबियों के श्रद्धा-सुमन का संकलन है। पुस्तक की शुरुआत डॉ. त्रिखा के सेवानिवृत्त स्वरूप से होती है। जस्टिस अमरजोत भट्टी के शब्दों में, डॉ. त्रिखा ने मानवता को केन्द्र में रखकर सेवा को अपना धर्म बनाया है। वह न केवल एक प्रखर होम्सोपैथिक चिकित्सक हैं, बल्कि करुणा और संवेदनशीलता के जीवंत प्रतीक भी हैं। त्रिखा



मैडिकल मिशन के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए जो कार्य किए हैं, वे आज के समय में अनुकरणीय हैं। डॉ. त्रिखा का स्वभाव ऐसा है कि वे पहली ही मुलाकात में किसी को भी अपना बना लेते हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान, विशेष रूप से हरियाणा साहित्य अकादमी के माध्यम से किए गए नवाचारी कार्य, उन्हें एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करते हैं। पुस्तक की विषय-सूची ही इसकी व्यापकता की गवाही देती है। इसमें डॉ. सुमन सेनी, डॉ. मोहित गुप्ता, डॉ. पवन कुमार शर्मा और उमा शर्मा जैसे अनेक लेखकों के लेख संकलित हैं, जो डॉ. त्रिखा के जीवन के विभिन्न पड़ावों, अविरोध की मिट्टी से जुड़ाव, चंडीगढ़ में उनकी सक्रियता और दिल्ली के साहित्यिक गलियारों में उनकी उपस्थिति- पर प्रकाश डालते हैं। प्रत्येक लेखक ने उन्हें अलग-अलग उपमाओं से नवाजा है, जैसे अगाध ज्ञान की रोशनी गुफा, सृजनशील संत, और असाधारण व्यक्तित्व। पुस्तक के पिछले आवरण पर दिए गए उद्धरण इस कृति के सार को और स्पष्ट करते हैं। निष्कर्षतः 'सृजन के शिखर' डॉ. चंद्र त्रिखा के विराट व्यक्तित्व को समझने का एक सशक्त माध्यम है। यह पुस्तक दर्शाती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने भीतर एक चिकित्सक, संपादक, कवि, प्रशासक और सबसे महत्वपूर्ण एक नेक इंसान को एक साथ जीवित रख सकता है। यह कृति पाठकों को सेवा, करुणा और निरंतर कर्मठता की प्रेरणा देती है। यह केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं है, बल्कि मानवता के प्रति अटूट विश्वास की एक जीवंत गाथा है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करेगी।

कुछ हटकर

एआई से घबराएं नहीं करियर में बनाएं ताकत

सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल कंप्यूटर की दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, कृषि, मीडिया और कारोबार तक इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के सामने करियर को लेकर एक नया सवाल खड़ा हो गया है कि एआई के दौर में किस क्षेत्र को चुना जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक हर छात्र के लिए एआई इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थी अपने पर्सनल क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ एआई का इस्तेमाल करना सीखें। आने वाले समय में तकनीकों की समझ रखने वाले डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार, कृषि विशेषज्ञ और वित्त विशेषज्ञों के लिए भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं। ऐसे में 10वीं और 12वीं के बाद विषय चुनने से लेकर उच्च शिक्षा और नौकरी तक विद्यार्थियों को बदलती जरूरतों को

कहां से करें पढ़ाई

- एनआईईएलआईटी : एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और कंप्यूटर से जुड़े पाठ्यक्रम।
- स्वयं-एनपीटीईएल : आईआईटी और अन्य संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- आईआईटी और एआईआईटी : बीटैक, एमटेक और शोध के लिए बेहतर विकल्प।
- विश्वविद्यालय और निजी संस्थान : एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम : कॉलेज की पढ़ाई के साथ एआई के छोटे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं।

ध्यान में रखना होगा। सही पाठ्यक्रम, जरूरी कौशल और व्यावहारिक अनुभव के साथ एआई को करियर की चुनौती नहीं, बल्कि नई संभावना बनाया जा सकता है।



कौन-सा रास्ता चुनें

- गणित और कंप्यूटर में रुचि : बीटक कंप्यूटर साइंस/एआई-एमएल
- आंकड़ों में रुचि : डेटा साइंस/सांख्यिकी
- कृषि में रुचि : कृषि की पढ़ाई/एआई व डेटा कौशल
- मीडिया पसंद है : पत्रकारिता व एआई व डेटा विश्लेषण

प्रमुख करियर विकल्प

- एआई एवं मशीन लर्निंग : एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता
- डेटा साइंस : डेटा वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, बिजनेस विश्लेषक
- साइबर सुरक्षा : साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुरक्षा विश्लेषक-रोबोटिक्स : रोबोटिक्स इंजीनियर, स्वचालन विशेषज्ञ
- स्वास्थ्य तकनीक : चिकित्सा आंकड़ा विश्लेषण, स्वास्थ्य तकनीक
- कृषि तकनीक : फसल, मौसम और मिट्टी के आंकड़ों का विश्लेषण
- बैंकिंग एवं वित्त : जोखिम विश्लेषण, धोखाधड़ी पहचान, वित्तीय आंकड़ा विश्लेषण

शुरुआती वेतन कितना

- एआई/मशीन लर्निंग : लगभग 5-12 लाख रुपये सालाना
 - डेटा साइंस : लगभग 4-10 लाख रुपये सालाना
 - साइबर सुरक्षा : लगभग 4-8 लाख रुपये सालाना
 - बैंकिंग/वित्त : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना
 - स्वास्थ्य तकनीक : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना-कृषि तकनीक : लगभग 3.5-8 लाख रुपये सालाना
 - मीडिया/डिजिटल क्षेत्र : लगभग 3-7 लाख रुपये सालाना
- नोट : वेतन कंपनी, शहर, संस्थान, कौशल और अनुभव के अनुसार काफी अलग हो सकता है।

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच ने स्टेशन अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन निजामपुर रेलवे स्टेशन पर टनकपुर रेल दौराई एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

क्षेत्र से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री दिल्ली, जयपुर सहित अन्य शहरों की करते हैं यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ नारनौल

नलवटी क्षेत्र के महत्वपूर्ण निजामपुर रेलवे स्टेशन पर टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस एवं रुणिचा एक्सप्रेस के ठहराव सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं की मांग को लेकर दैनिक रेल यात्री जागरूक मंच ने स्टेशन अधीक्षक जितेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में क्षेत्र की जनता से जुड़ी प्रमुख मांगों को रेलवे प्रशासन के समक्ष रखा गया। मंच के अध्यक्ष अशोक कटारिया ने कहा कि निजामपुर रेलवे स्टेशन आसपास के अनेक गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण स्टेशन है। यहां यात्री भार काफी अधिक होने के बावजूद यात्री सुविधाओं एवं ट्रेनों के ठहराव की स्थिति संतोषजनक नहीं है। क्षेत्र से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री दिल्ली, जयपुर सहित अन्य शहरों की यात्रा करते हैं। पर्याप्त ट्रेनों का ठहराव नहीं होने के कारण यात्रियों को आर्थिक एवं शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने रेल प्रभालय एवं रेलवे बोर्ड से मांग की कि निजामपुर रेलवे स्टेशन पर रुणिचा एक्सप्रेस



नारनौल। रेलवे स्टेशन पर सफाई अभियान चलाते मंच सदस्य।

फोटो : हरिभूमि

तथा टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस का ठहराव शीघ्र करवाया जाए। इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई ट्रेनें प्रभावित हैं और क्षेत्र के यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। रुणिचा एक्सप्रेस का निजामपुर में ठहराव यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। ज्ञापन में निजामपुर रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज अथवा अंडरपास का निर्माण करवाने, यात्रियों के लिए पार्किंग की व्यवस्था करने तथा प्लेटफार्म पर पर्याप्त टीनशेड लगाने की मांग भी की गई। मंच उपाध्यक्ष महेश बखालिया ने कहा कि प्लेटफार्म पर टीनशेड नहीं होने के कारण यात्रियों को तेज धूप और खराब मौसम में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

प्रतिभा विकास एवं जन कल्याण मंच ने चलाया सफाई अभियान

नारनौल। प्रतिभा विकास एवं जन कल्याण मंच द्वारा ऐतिहासिक स्थल जलमहल के साथ लगते पंचकुईयां तालाब पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मंच के सदस्यों ने तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। मंच के प्रधान प्रमोद शर्मा ने कहा कि प्रतिभा विकास एवं जन कल्याण मंच का उद्देश्य समाज में छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के साथ-साथ जनहित एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों में सक्रिय योगदान देना है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है और मंच भविष्य में भी ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाएगा। इस स्वच्छता अभियान में मंच के उपप्रधान मूलचंद सैनी, सचिव विक्रम यादव, सहसचिव देवेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. विकास निर्मल एवं डॉ. प्रवीण अग्रवाल सहित महेश अरोड़ा, मनोष आहूजा, रामचंद्र यादव, रामकिशन सैनी, विनोद यादव तथा मंच के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त प्राचार्य को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। शिक्षक दिवस पर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए गांव सिसोठ के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्राचार्य ओमप्रकाश यादव को सम्मानित किया गया। मिशन जनसेवा समिति एवं ग्राम पंचायत सिसोठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में प्राचार्य ओमप्रकाश यादव को उनके निवास स्थान पर जाकर फूल-माला पहनाकर और लोई ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सरपंच वीरेन्द्र कुमार एवं मिशन जनसेवा समिति के प्रधान मुकेश चौहान ने कहा कि प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने अपने पूरे सेवाकाल में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा दी।

भोड़ी के पंच लक्ष्मीनारायण व बेटे साहिल ने एक साथ रक्तदान कर दी प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज़ नारनौल

गांव भोड़ी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। प्रमुख समाजसेवी बसपा नेता अतरलाल ने रिबन काटकर शिविर का शुभारंभ किया। सोनी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल नीमराना की चिकित्सा टीम के तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने 55 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में भोड़ी गांव के पंच लक्ष्मीनारायण व उनके पुत्र साहिल यादव ने एक साथ रक्तदान कर समाज को रक्तदान करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि नेताजी अतरलाल ने चिकित्सा टीम के सदस्य डॉ. रविंद्र, मोनू यादव, विक्रम, मनोज चौधरी का फूलमालाएं पहनाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया।



नारनौल। रक्तदान की प्रेरणा देते पिता-पुत्र लक्ष्मी नारायण यादव व साहिल यादव।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बसपा लोकसभा प्रमारी प्रमोद वालिया, बसपा जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया, बसपा जिला महासचिव कपिल देव बाछेद, जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार, विधानसभा महासचिव तुषार ताहिल, भागसिंह चैयरेमन, दानसिंह प्रजापत, केलाश सेठ, सुरेंद्र चौधरी आदि उपस्थित थे।

नेताजी अतरलाल ने संयोजक तरुण तिवाड़ी, लक्ष्मीनारायण यादव, किशनलाल पंच, साहिल यादव, बलबीर सिंह नंबरदार, आशीष

चौहान, देवेन्द्र उर्फ पिंटू समिति मेंबर, किसनपाल पंच, सतीश व पूरी टीम का प्रेरणादायी शिविर आयोजित करने के लिए धन्यवाद किया।

राधे-राधे के जयकारों से गुंजा शहर
नारनौल। शहर में राधा नाम की अलख जगोरा वाली संस्था श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 190वाँ प्रभात फेरी श्रद्धा, भक्ति भाव एवं उत्साह के साथ निकाली गई। प्रभात फेरी का आयोजन श्री शिव मंदिर महेंद्रगढ़ रोड से किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर राधे-राधे नाम का संकीर्तन किया। प्रभात फेरी का शुभारंभ मुख्य यजमान महेश पुजारी ने विधि-विधान से ठाकुर जी की आरती एवं पूजा-अर्चना कर किया। इसके उपरांत श्रद्धालुओं को चंदन का तिलक लगाया गया और भक्तिमय वातावरण में प्रभात फेरी शिव कॉलोनी की गलियों में परिक्रमा करते हुए निकाली गई। श्रद्धालु राधे-राधे नाम का गुणगान किया।

बचपन स्कूल में लगाया रक्तदान शिविर

महेंद्रगढ़। स्थानीय मौदाश्रम मंदिर के सामने मोहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल में रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर दो बजे तक एक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन विद्यालय संस्थापक शेर सिंह सैनी एवं नारनौल से विशिष्ट अतिथि मनोष गोविंदा के द्वारा रिबन काटकर किया गया, जबकि विद्यालय चैयरमैन रमेश सैनी, समाजसेवी वीरेन्द्र दीवान उर्फ बाली दीवान, डॉक्टर विपिन कुमार भी उनके साथ रहे। शिविर के दौरान जेआरपी ब्लड बैंक व विजय हार्ट एंड जनरल अस्पताल नारनौल से डॉक्टर विजिन के सान्निध्य में लगभग 11 कर्मचारियों की टीम वहां पहुंची तथा सभी रक्तदाताओं की उचित स्वास्थ्य जांच करने के पश्चात 95 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। विद्यालय चैयरमैन रमेश सैनी व समाजसेवी वीरेन्द्र दीवान उर्फ बाली दीवान ने बताया कि रक्तदान एक महादान है। इस मौके पर विद्यालय एमडी कुलदीप सैनी, बांड एक्सेडर मुकेश मेहता, लेवचर रमेश टॉक, समाजसेवी विकास तिवाड़ी, देवेन्द्र यादव, ईश्वर सैनी, सुरेश गोस्वामी, पूर्व पार्षद विजय कुमार आदि मौजूद थे।

एडवोकेट रामकिशन शर्मा ने भाई की कर्मभूमि को किया नमन

महेंद्रगढ़। हरियाणा स्टेट वेंचरहाउस कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एडवोकेट रामकिशन शर्मा ने शिक्षक दिवस की संख्या पर अपने बड़े भाई एवं शिक्षाविद प्रोफेसर सूरजमान शर्मा की कर्मभूमि राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय महिला महाविद्यालय में पहुंचकर पुरानी स्मृतियों को ताजा किया। प्रोफेसर सूरजमान शर्मा इन दोनों महाविद्यालयों में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं और महेंद्रगढ़ स्थित कर्मभूमि एवं महाविद्यालय से जुड़ी स्मृतियां याद आईं। इसी भावनात्मक जुड़ाव के चलते उन्होंने शिक्षक दिवस की संख्या पर राजकीय महाविद्यालय, महेंद्रगढ़ पहुंचकर अपने भाई की सेवाओं और स्मृतियों को सम्मान देते हुए महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। शिक्षक दिवस की संख्या पर आयोजित यह कार्यक्रम जहां पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला रहा, वहीं अपने भाई की कर्मभूमि पर पहुंचकर एडवोकेट रामकिशन शर्मा द्वारा पौधरोपण करना भाई के प्रति सम्मान, स्मृतियों के प्रति भावनात्मक जुड़ाव और गुरुजनों के प्रति सम्मान की एक सुंदर मिसाल बन गया।

पुस्तक ‘नेचुरोपैथी : ए वे ऑफ लाइफ’ के अंग्रेजी संस्करण का दिल्ली में हुए कार्यक्रम के दौरान भव्य विमोचन प्राकृतिक चिकित्सा के ज्ञान को दुनिया तक पहुंचाएंगी डॉ. धर्मवीर की पुस्तक

हरिभूमि न्यूज़ नारनौल

सलोनी गांव निवासी प्रख्यात योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. धर्मवीर यादव की ओर से लिखित पुस्तक ‘नेचुरोपैथी : ए वे ऑफ लाइफ’ के अंग्रेजी संस्करण का दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भव्य विमोचन किया गया। जिसमें देश के प्रमुख योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। विशेषज्ञों ने पुस्तक को प्राकृतिक चिकित्सा के पारंपरिक ज्ञान को विद्यार्थियों और आमजन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया तथा डॉ. धर्मवीर यादव

नारनौल। पुस्तक ‘नेचुरोपैथी : ए वे ऑफ लाइफ’ के अंग्रेजी संस्करण का विमोचन करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

को पुस्तक के लिए बधाई दी। पुस्तक की विमोचन डॉ. भंवर सिंह, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. प्रशांत आचार्य, डॉ. विजेता आर्य व आचार्य योगेंद्र ब्रह्मचारी सहित अन्य गणमान्य विशेषज्ञों ने किया। इस अवसर पर

डॉ. सोमवीर आर्य ने कहा कि भारतीय वैदिक सनातन परंपरा में प्राकृतिक चिकित्सा जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर स्वस्थ जीवन जीने की परंपरा भारत में

प्रचीन काल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के इस ज्ञान को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। डॉ. विजेता आर्य ने प्राकृतिक चिकित्सा को ईश्वर द्वारा प्रदत्त अनुपम चिकित्सा पद्धति बताया है और कहा कि प्रकृति के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण की अवधारणा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। योगाचार्य योगेंद्र ब्रह्मचारी ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों, संतों, बुद्धिजीवियों और प्रकृति प्रेमियों ने अपने समय में प्राकृतिक चिकित्सा पर गहन अनुसंधान किया और इस ज्ञान को विश्व पटल तक पहुंचाया।

पंचतत्वों से लेकर उपचार तक की जानकारी

पुस्तक डॉ. धर्मवीर यादव ने बताया कि पुस्तक लिखने का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा के परंपरागत एवं विशुद्ध ज्ञान को विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ-साथ आम जनमानस तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पुस्तक में प्राकृतिक चिकित्सा का ऐतिहासिक परिचय, अर्थ, परिभाषा, दर्शन और मूल सिद्धांतों को सरल एवं व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यादव ने बताया कि पुस्तक का हिंदी संस्करण पहले से उपलब्ध था, लेकिन देश और विदेश से अंग्रेजी संस्करण की लगातार मांग को देखते हुए अब इसका अंग्रेजी संस्करण तैयार किया गया है।

पहले भी लिख चुके हैं चिकित्सा पर 10 पुस्तकें

डॉ. धर्मवीर यादव इससे पहले भी योग और प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा से संबंधित करीब 10 महत्वपूर्ण पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं। उनकी पुस्तकों में ‘योगिका का जीवन परिचय’, ‘योगसार’, ‘गीता योग अनुक्त’, ‘योगसिद्धि सार’ और ‘शंखप्रक्षालन : योग ए वे ऑफ लाइफ’ सहित अन्य पुस्तकें शामिल हैं। इन पुस्तकों का उपयोग स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ-साथ आम पाठकों द्वारा भी किया जा रहा है। डॉ. धर्मवीर यादव पिछले करीब एक दशक से इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी के योग विभाग में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का जुनून पैदा करें शिक्षक: लम्बोरा

नांगल चौधरी। लंबोरिया एकेडमी सैनियर सेकेंडरी स्कूल बुढ़वाल में शिक्षक दिवस उत्साह, सम्मान और प्रेरणा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य राजबीर सिंह ने की, जबकि संस्था के चैयरमैन हजारीलाल लम्बोरा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। चैयरमैन हजारीलाल लम्बोरा ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों का भी अभिनंदन करते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की। कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे शिक्षकों की मेहनत, मार्गदर्शन और अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर निरंतर प्रयास करने वाला विद्यार्थी ही भविष्य में सफलता प्राप्त करता है। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक निदेशक राजपाल लंबोरा ने किया, जिसमें शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहे।



दा वेदांता स्कूल में हुआ समारोह

हरिभूमि न्यूज़ नारनौल

दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य एवं गरिमापूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं उनके समर्पण को अभिव्यक्त किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों को उनकी मेहनत, लगन, समर्पण एवं शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त कर शिक्षकों के चेहरों पर खुशी एवं गर्व



नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद स्कूल स्टाफ।

फोटो : हरिभूमि

की भावना स्पष्ट दिखाई दी। चैयरमैन डॉ. विनोद कुमार यादव ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि “एक शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार एवं चरित्र का निर्माण भी करता है। उन्होंने शिक्षकों

के समर्पण, मेहनत और निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें इसी उत्साह एवं निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समारोह ने गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को उजागर करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की भावना को और मजबूत किया।

पुस्तक ‘नेचुरोपैथी : ए वे ऑफ लाइफ’ के अंग्रेजी संस्करण का दिल्ली में हुए कार्यक्रम के दौरान भव्य विमोचन प्राकृतिक चिकित्सा के ज्ञान को दुनिया तक पहुंचाएंगी डॉ. धर्मवीर की पुस्तक

प्रचीन काल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के इस ज्ञान को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। डॉ. विजेता आर्य ने प्राकृतिक चिकित्सा को ईश्वर द्वारा प्रदत्त अनुपम चिकित्सा पद्धति बताया है और कहा कि प्रकृति के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण की अवधारणा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। योगाचार्य योगेंद्र ब्रह्मचारी ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों, संतों, बुद्धिजीवियों और प्रकृति प्रेमियों ने अपने समय में प्राकृतिक चिकित्सा पर गहन अनुसंधान किया और इस ज्ञान को विश्व पटल तक पहुंचाया।

न्यूज़ डायरी

एसपीजी-आईएस स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

महेंद्रगढ़। इंदुलान-वितलान रोड स्थित एसपीजी-आईएस स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप जलाकर की गई। विद्यालय के शिक्षकों ने भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और ईमानदारी के साथ शिक्षा हासिल करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य सरोज यादव ने कहा कि एक शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस अवसर पर सीईओ रोहित यादव, पीआरओ भीम सिंह, कोऑर्डिनेटर मंजू शर्मा, कोऑर्डिनेटर कपिल सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पूर्व प्रधान डॉ. प्रेमराज यादव को दी श्रद्धांजलि

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में यादव समा के सौजन्य से समा के पूर्व प्रधान डॉ. प्रेमराज यादव के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राहत गुप्त, भूपूर्त सैनिक संघ, वेदप्रचार मंडल सहित व्यापार मंडल महेंद्रगढ़ और पत्रकार संघ के पदाधिकारियों द्वारा उनके सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। डॉ. प्रेमराज बतौर शिक्षक सेवानिवृत्ति उपरांत दो बार यादव समा के सर्वसम्मति से प्रधान मनोनीत हुए और यादव समा के पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य उन्हीं के कार्यकाल में सम्पन्न हुआ। इसके बाद वे वेदप्रचार मंडल के भी जिला अध्यक्ष रहे। इन दोनों कार्यों के साथ साथ वे काफी लम्बे समय से राहत गुप्त के साथ अध्यक्ष के नाते जुड़े रहे, उन्होंने दर्जनों नेत्र जांच शिविर लगवाने का कार्य भी किया।

चौधरी मालाराम को दी श्रद्धांजलि

नांगल चौधरी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा रविवार को अपने सहपाठी रहे दिवंगत चौधरी मालाराम के निधन पर शोक व्यक्त करने नांगल चौधरी पहुंचे। उन्होंने दिवंगत की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकपूर्ण परिजनों को दंडसंधेते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इस दौरान हुड्डा ने मालाराम चौधरी से जुड़ी पुरानी यादों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि चौधरी मालाराम को बीच विद्यार्थी जीवन से ही सामाजिक उत्थान और क्षेत्र के विकास की दिशा में रही। सला में उन्हें हुए जब भी मालाराम से मुलाकात हुई, उन्होंने कभी अपने लिए कोई निजी कार्य नहीं बताया, बल्कि हमेशा क्षेत्र की सार्वजनिक समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों ही उनके सामने रखे। यादों को ताजा करते हुए कहा कि सत्ता के दौरान रक्षाबंधन से करीब चार-पांच दिन पहले उनकी मालाराम से मुलाकात हुई थी।

पुस्तक ‘नेचुरोपैथी : ए वे ऑफ लाइफ’ के अंग्रेजी संस्करण का दिल्ली में हुए कार्यक्रम के दौरान भव्य विमोचन प्राकृतिक चिकित्सा के ज्ञान को दुनिया तक पहुंचाएंगी डॉ. धर्मवीर की पुस्तक

प्रचीन काल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के इस ज्ञान को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। डॉ. विजेता आर्य ने प्राकृतिक चिकित्सा को ईश्वर द्वारा प्रदत्त अनुपम चिकित्सा पद्धति बताया है और कहा कि प्रकृति के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण की अवधारणा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। योगाचार्य योगेंद्र ब्रह्मचारी ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों, संतों, बुद्धिजीवियों और प्रकृति प्रेमियों ने अपने समय में प्राकृतिक चिकित्सा पर गहन अनुसंधान किया और इस ज्ञान को विश्व पटल तक पहुंचाया।

सावधान! अब आवाज भी हो सकती है नकली: एआई ने बढ़ाया साइबर ठगी का खतरा

■ अपनों की हूबहू आवाज में फोन कर ठग मांग रहे पैसे व गोपनीय जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

‘मां-पापा, मैं बड़ी मुसीबत में हूं... अभी तुरंत पैसे भेज दो।’ अगर ऐसी आवाज आपके किसी अपने की हो तो शायद आप एक पल भी संदेह न करें, लेकिन साइबर अपराध की दुनिया में अब यही भरोसा ठगी का सबसे बड़ा हथियार बन सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से किसी व्यक्ति की

आवाज की हूबहू नकल यानी वॉयस क्लोन तैयार कर साइबर ठग उसके परिजनों और परिचितों को फोन कर सकते हैं। आवाज इतनी वास्तविक हो सकती है कि सामने वाला व्यक्ति उसे अपने करीबी की आवाज समझकर ठगी का शिकार हो जाए।

बदलती तकनीक के साथ साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे इस नए तरीके को लेकर पुलिस ने आमजन को सतर्क किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने लोगों से अपील की है कि अब केवल आवाज पहचानकर किसी

व्यक्ति की पहचान पर भरोसा न करें। विशेषकर जब फोन पर अचानक पैसे, ओटीपी, यूपीआई पिन, सोबीची या बैंक खाते से जुड़ी कोई गोपनीय जानकारी मांगी जाए तो पहले दूसरे माध्यम से पहचान की पुष्टि जरूर करें। पुलिस के अनुसार साइबर ठग सोशल मीडिया, यूट्यूब, व्हाट्सएप और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वीडियो या ऑडियो से किसी व्यक्ति को आवाज का नमूना हासिल कर सकते हैं। एआई आधारित तकनीक की सहायता से इस आवाज की

नकल तैयार की जा सकती है। इसके बाद ठग उसी तरह की आवाज में बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। यानी किसी व्यक्ति के सोशल मीडिया पर उपलब्ध कुछ वीडियो या सार्वजनिक बातचीत का पुष्टि जरूर करें। पुलिस के अनुसार साइबर ठग सोशल मीडिया, यूट्यूब, व्हाट्सएप और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वीडियो या ऑडियो से किसी व्यक्ति को आवाज का नमूना हासिल कर सकते हैं। एआई आधारित तकनीक की सहायता से इस आवाज की

पहले भरोसा, फिर ठगी का वार



किसी रिश्तेदार या कारोबारी की आवाज में बैंक खाते, लोन-देन या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करने की कोशिश की जा सकती है। सबसे खतरनाक बात यह है कि ठग पड़ित को सोचने का मौका नहीं देते। वे बीमारी, दुर्घटना, पुलिस कार्रवाई, कानूनी परेशानी या किसी अन्य आपात स्थिति का हवाला देकर तत्काल निर्णय लेने का दबाव बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

आर्य समाज में संपन्न हुआ निष्क्रमण संस्कार

महेंद्रगढ़। आर्य समाज में वेद प्रचार मंडल एवं आर्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में डॉ विक्रान्त डागर की पुत्री जिनिशा का निष्क्रमण संस्कार वैदिक रीति-रिवाजों के साथ बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। यह आयोजन समाज में बेटियों के सम्मान और वैदिक संस्कृति को बढ़ावा देने के विशेष संदेश के साथ आयोजित किया गया। निष्क्रमण संस्कार का सीधा अर्थ शिशु का पहली बार घर की चौखट से बाहर प्रकृति सूर्य, चंद्रमा और शुद्ध वायु के संपर्क में आना है, ताकि वह प्राकृतिक ऊर्जा प्राप्त कर शारीरिक व मानसिक रूप से सुदृढ़ और दीर्घायु बने।

ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनील सैन सम्मानित

महेंद्रगढ़। भाजपा कार्यालय में जिला महेंद्रगढ़ सैन समाज के प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर सुनील सैन का सम्मान किया गया। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें पारंपरिक णाड़ी पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। सैन समाज के प्रतिनिधियों ने इंजीनियर सुनील सैन को ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी तथा उनके सफल, गौरवपूर्ण एवं उच्चल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर अटेली मंडी से पवन सैन, बाछोद मंडल अध्यक्ष भाजपा अंकित आसोदिया, जगरूप सैन, गुरवीर सैन जिला अध्यक्ष सैन समाज महेंद्रगढ़, सतीश सैन, मनीष सैन, कर्मवीर सैन, डॉ. प्रवेश कुमार सहित सैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवी मातादीन पनिहार की मदद से गुर्जर धर्मशाला में 2 करोड़ से बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नांगल चौधरी

गुर्जर विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ शिक्षा और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में भामाशाह उपाधि से अलंकृत राजस्थान के समाजसेवी मातादीन पनिहार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि विधायक मंजू चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

समाजसेवी मातादीन पनिहार ने कहा कि शिक्षा ही वह ताकत है, जिसके माध्यम से समाज अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकता है। उन्होंने घोषणा की कि गुर्जर धर्मशाला में दो करोड़ रुपये की



नांगल चौधरी। मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करते समाजसेवी मातादीन।

लागत से डिजिटल लाइब्रेरी और तकनीकी शिक्षा से संबंधित कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं और तकनीकी शिक्षा की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि प्रतिभाधान विद्यार्थियों को सुविधाओं के अभाव में पीछे न रहना पड़े। उन्होंने युवाओं से नशाखोरी और संगीन अपराधों से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और

सकारात्मक सोच को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कहा कि समाज की तरक्की केवल व्यक्तिगत सफलता से नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास और संगठन की मजबूती से संभव है। इसलिए सभी को आपसी मतभेद भुलाकर समाजहित में एकजुट होना चाहिए। विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि शिक्षित समाज ही विकसित राष्ट्र के निर्माण में प्रभावी भागीदारी निभा सकता है।

भाजपा मंडल की बैठक में सुशासन कार्यक्रमों की तैयारियों पर मंथन

■ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल



मंडल के पदाधिकारियों की मासिक बैठक मुसदीलाल के कटले में मंडल मंत्री नरेंद्र सोनी ने आवास पर मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी महिपाल सिंह यादव, जिला मंत्री मनीष संधी तथा सपना गुप्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और समर्पण यात्रा को लेकर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की यह यात्रा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है।

जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी महिपाल सिंह यादव ने कहा कि आगामी कार्यक्रमों को केवल

औपचारिक आयोजन न बनाकर जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए। उन्होंने मंडल पदाधिकारियों से बृथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आयोजित करने का आह्वान किया। जिला मंत्री मनीष संधी ने संगठन की सक्रियता और कार्यक्रमों की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं को पूरी समर्पण से अनुशासन के साथ जुटने का आह्वान किया। सपना गुप्ता ने भी महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्ष की सुशासन यात्रा देश की राजनीति में सेवा और राष्ट्रहित की मिसाल है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मनोजीत पार्षद जगदीश पासी, ओमप्रकाश यादव, जगदीश दीवान, मंजू सोनी, राजेश शर्मा, धीरज अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, सुरेंद्र सोनी, मंडल महामंत्री महेश सैनी, सरोज कश्यप, रितु शर्मा, सुरेश संधी, मवानी वर्मा, गोविंद सैनी, नवीन शर्मा, पारस बंसल, केशव सैनी, मानसिंह सैनी आदि मौजूद रहे।

एसपी का तबादला रद्द होने से क्षेत्र की जनता में खुशी

नारनौल। बाबू जगजीवन राम अखिल भारतीय समता आंदोलन के जिला अध्यक्ष इन्द्रवेश चौधरी ने जिले के पुलिस अधीक्षक दीपक जेवरिया के स्थानांतरण को निरस्त करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। इन्द्रवेश चौधरी ने कहा कि एसपी दीपक जेवरिया देश के 100 सर्वश्रेष्ठ कदातनों में शामिल रहे हैं और जिले में अपने कुछ माह के कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने तथा अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया है। उनकी कार्यशैली से क्षेत्र की जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जेवरिया के स्थानांतरण की खबर से जिले के लोगों में असुखी का माहौल बन गया था।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरफा कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005

बैठक गोसेवा के लिए श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति की कार्यकारिणी का गठन

दीपक सर्राफ को सर्वसम्मति से चुना गया समिति प्रधान

■ घायल व बीमार गोवंश के उपचार व सेवा को आगे बढ़ाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक गोमाता उपचार शाला में आयोजित की गई। जिसमें समिति के विस्तार, गोसेवा से जुड़े कार्यों को और प्रभावी बनाने तथा आगामी सेवा गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान गो सेवक दीपक सर्राफ को समिति का

प्रधान चुना गया। बैठक में सदस्यों ने घायल, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की सेवा को प्राथमिकता देते हुए समिति की गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर संचालित करने पर जोर दिया। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही सदस्यों ने गोसंरक्षण और गोसेवा के प्रति युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का संकल्प लिया।

नई कार्यकारिणी में एडवोकेट अमित चौधरी व पूर्व प्रधानाचार्य राजेश गोयल को संरक्षक बनाया गया। नीलेश संधी व सतीश भल्ला को उपप्रधान, जबकि हरीश चौबे व ऋषभ बंसल को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। अजय सैनी और जोगिंद्र सिंगल को महासचिव नियुक्त किया गया। इसी प्रकार



नारनौल। बैठक करते गोमाता सेवा समिति सदस्य व पदाधिकारी।

नीरज गर्ग को खजानाचौ तथा सुरेंद्र अग्रवाल और विकास बंसल को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। एडवोकेट गौरव चौधरी और एडवोकेट हर्षद शर्मा को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया। नवनिर्भुक्त प्रधान दीपक सर्राफ ने नई जिम्मेदारी के लिए समिति के

सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य बीमार, घायल और दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की सेवा करना है। समिति की ओर से प्रत्येक सप्ताह घायल और बीमार गोमाता के लिए सवामणि, हरी सब्जी अथवा दलिया की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने

वीडियो कॉल भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं

पुलिस ने लोगों को वीडियो कॉल के मामले में भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। एआई आधारित डीपफेक तकनीक के कारण अब स्क्रीन पर दिखाई देने वाली तस्वीर या वीडियो को भी पहचान का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसलिए यदि वीडियो कॉल पर भी पैसे या संवेदनशील जानकारी मांगी जाए तो दूसरे माध्यम से पुष्टि करना जरूरी है। एसपी दीपक कुमार ने कहा कि तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है और साइबर अपराधी इसके गलत इस्तेमाल को नए तरीके तलाश रहे हैं। एआई वॉयस क्लोनिंग के जरिए किसी परिचित की आवाज जैसी आवाज सुनकर विश्वास हासिल किया जा सकता है। इसलिए किसी भी आपात स्थिति, पैसे की मांग या गोपनीय जानकारी मांगने पर दूसरे माध्यम से पहचान की पुष्टि अवश्य करें। पुलिस ने लोगों से परिवार में विशेषकर बुजुर्गों व बच्चों को भी इस नए साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक करने की अपील की है। किसी सदिग्ध कॉल या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें तथा संबंधित पुलिस थाना या साइबर क्राइम थाना को सूचना दें।

न्यूज़ डायरी



महापंचायत को लेकर गांवों में चलाया जनसंपर्क अभियान मंडी अटेली। जनजीवन से जुड़े विभिन्न उल्लंघन मुद्दों को लेकर 26 अक्टूबर को रोहतक के नंदल भवन, बाहर में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय किसान-मजदूर-छात्र-युवा-महिला महापंचायत की जाएगी। इसकी तैयारियों के तहत अटेली क्षेत्र के गांव ताजपुर, फतेहपुर, तोबड़ा गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान समाए आयोजित कर ग्रामीणों को महापंचायत में शामिल होने का न्योता दिया गया। ग्रामीणों ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाओं को ओमप्रकाश, ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव डॉ. वतपाल सिंह, जजुराम रावत, एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, बिजली उपभोक्ता मंच के जिला प्रधान डॉ. राजेंद्र प्रसाद खरब ने संबोधित किया। वक्ताओं ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर रोक लगाने, किसानों को फसल लाभत का डेढ़ गुना लाभकारी मुख्य देने तथा सभी फसलों की एमएसपी पर सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग उठाई।



गोगा नवमी मेले में विनय यादव का हुआ सम्मान

महेंद्रगढ़। बाबा रामेश्वर दास खेल कमेटी द्वारा आयोजित गोगा नवमी के मेले में विनय यादव को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला। इस दौरान कमेटी के सदस्यों एवं क्षेत्र के लोगों ने उनका स्वागत करते हुए आपार सम्मान और स्नेह प्रदान किया। मेले में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गोगाजी महाराज के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आपसी भाईचारे, सामाजिक इकतता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया। मेले में विभिन्न गतिविधियों एवं आयोजनों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि विनय यादव ने आयोजन के लिए बाबा रामेश्वर दास खेल कमेटी के सभी सदस्यों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया।



कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुंचने का लिया संकल्प

महेंद्रगढ़। शहर के सैनी हाई स्कूल के प्रांगण में रविवार को सैनी क्षत्रिय समा महेंद्रगढ़ के प्रधान की अध्यक्षता में एक विशाल आम सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 17 सितंबर को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भव्य स्वागत करना और महाराजा शूर सैनी चौक पर उनका प्रतिमा के अनावरण समारोह की तैयारियों की समीक्षा करना रहा। सभा में विशेष रूप से पहुंचे क्षेत्र के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित होने वाली रैली और मूर्ति अनावरण समारोह में सैनी समाज की ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थिति होनी चाहिए ताकि कार्यक्रम को यादगार और भव्य बनाया जा सके। विधायक एवं पदाधिकारियों के आह्वान पर उपस्थित सभी सैनी समाज के लोगों ने हाथ उठाकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया।



शिविर में 211 मरीजों ने करवाई जांच

नारनौल। सेवा भारती हरियाणा प्रदेश शाखा नारनौल एवं महादेव प्रसाद धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से नेटवर्क हॉस्पिटल की ओर से कुटुंब पैकेज महत्वा चौक में निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. उमेश गुप्ता मैनिजिंग डायरेक्टर नेटवर्क हॉस्पिटल के साथ-साथ प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 211 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान डॉ. कुपान्त शर्मा जनरल मैडिसिन विशेषज्ञ, डॉ. निशा रानी एवं प्रकृति रोग विशेषज्ञ, डॉ. संदीप नाक-कान-नासा रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. विक्रम हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. आदित्य व डॉ. अश्वनी हृदय एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया।

वरिष्ठ सदस्यों को भी मिली जिम्मेदारी

दीपक सर्राफ ने कहा कि समिति का एक प्रमुख उद्देश्य गोमाता के संरक्षण और सेवा के प्रति युवाओं को जागरूक करना भी है। युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़कर गोवंश के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक के दौरान समिति की कार्यकारिणी में कई वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्यों को भी शामिल किया गया। इनमें निपेंद्र संधी, तन्मय गोयल, अरुण अग्रवाल, अमित गुप्ता, अदिनारा गोयल, मनोज तावत, सौरव गोयल, अमिषेक बंसल, राकेश वर्मा, लोकेश बरोल, महेश गुप्ता, रोमी बंसल, अंकित, गौरव, विराग संधी और सोनू सहित अन्य सदस्यों को सदस्यता दी गई।